



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

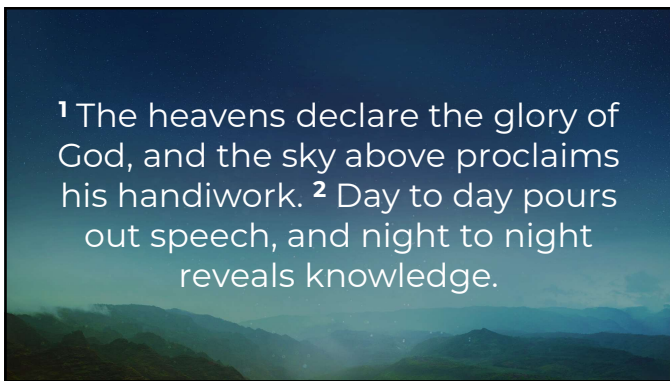
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>3</sup> There is no speech, nor are there words, whose voice is not heard. <sup>4</sup> Their voice goes out through all the earth, and their words to the end of the world. In them he has set a tent for the sun,

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>5</sup> which comes out like a bridegroom leaving his chamber, and, like a strong man, runs its course with joy. <sup>6</sup> Its rising is from the end of the heavens, and its circuit to the end of them, and there is nothing hidden from its heat.

---

---

---

---

---

---

---

---

<sup>7</sup> The law of the LORD is perfect, reviving the soul; the testimony of the LORD is sure, making wise the simple; <sup>8</sup> the precepts of the LORD are right, rejoicing the heart; the commandment of the LORD is pure, enlightening the eyes;

---

---

---

---

---

---

---

---

**9** the fear of the LORD is clean, enduring forever; the rules of the LORD are true, and righteous altogether. **10** More to be desired are they than gold, even much fine gold; sweeter also than honey and drippings of the honeycomb.

---

---

---

---

---

---

---

---

**11** Moreover, by them is your servant warned; in keeping them there is great reward.

---

---

---

---

---

---

---

---

**12** Who can discern his errors? Declare me innocent from hidden faults. **13** Keep back your servant also from presumptuous sins; let them not have dominion over me! Then I shall be blameless, and innocent of great transgression.

---

---

---

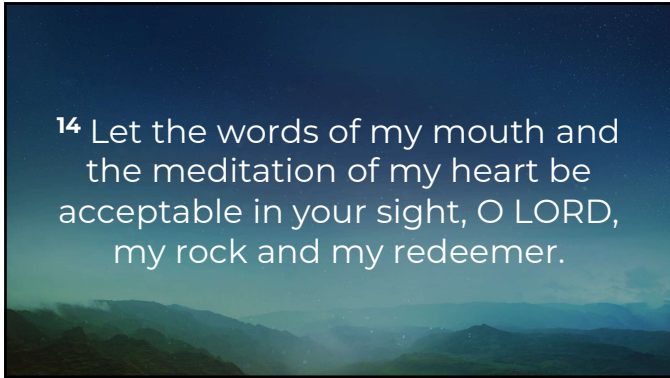
---

---

---

---

---



<sup>14</sup> Let the words of my mouth and the meditation of my heart be acceptable in your sight, O LORD, my rock and my redeemer.

---

---

---

---

---

---

---

---



**God's Glory is Evident to All.**

<sup>4</sup> Their voice goes out through all the earth, and their words to the end of the world.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

**God's Glory Reveals His Goodness.**

<sup>10</sup> More to be desired are they than gold, even much fine gold; sweeter also than honey and drippings of the honeycomb.

---

---

---

---

---

---

---

---

**God's Glory Declares His Status.**

<sup>14</sup> Let the words of my mouth and the meditation of my heart be acceptable in your sight, O LORD, my rock and my redeemer.

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---